



मध्यप्रदेश शासन

2016 -2017



वार्षिक
प्रशासनिक
प्रतिवेदन

जनसम्पर्क
विभाग

www.mpinfo.org / www.mpnewsarch.org,
www.dprftp.com & District News Portal - www.dprmp.org



विभागीय परामर्शदात्री की
बैठक में माननीय ज
मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा





वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन 2016-17

मध्यप्रदेश शासन
जनसम्पर्क विभाग

जनसम्पर्क विभाग

विभागीय मंत्री
डॉ. नरोत्तम मिश्रा

प्रमुख सचिव
एस.के. मिश्र

आयुक्त
अनुपम राजन

अपर सचिव
डॉ. एच.एल. चौधरी

भाग- 1

विभागीय संरचना

कार्यालय

संचालनालय मुख्यालय	01	भोपाल
संभागीय कार्यालय	07	इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, सागर, रीवा
जिला कार्यालय	44	
राज्य के बाहर स्थापित कार्यालय	02	1. म.प्र. सूचना केन्द्र दिल्ली 2. म.प्र. सूचना केन्द्र मुम्बई
विभाग के अन्तर्गत कार्यरत उपक्रम / संस्था	02	1. मध्यप्रदेश माध्यम 2. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

स्वीकृत पद

प्रथम श्रेणी	-	53
द्वितीय श्रेणी	-	78
तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक)	-	248 (20 सांख्येत्तर पदों सहित)
तृतीय श्रेणी (लिपिकीय)	-	232
चतुर्थ श्रेणी	-	251
कुल	-	862

विभागीय दायित्व

जनसम्पर्क विभाग का मुख्य दायित्व सरकार की नीतियों, निर्णयों, योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों की जानकारी प्रचार-प्रसार माध्यमों से लोगों तक पहुँचाना और जन-मानस में शासन की उज्ज्वल छवि प्रस्तुत करना है। विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :-

समाचार प्रभाग

समाचार प्रभाग द्वारा शासन की विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों/योजनाओं/नीतियों और उनकी उपलब्धियों के समाचार, विशेष लेख, सफलता की कहानियाँ, फोटो कव्हेरेज, वीडियो कव्हेरेज आदि करवाए जाते हैं। इन्हें समाचार-पत्रों को प्रकाशन तथा दूरदर्शन तथा अन्य निजी चैनलों को प्रसारण के लिये प्रतिदिन भेजा जाता है। साथ ही मंत्रि-परिषद् के सदस्यों के प्रवक्ता के रूप में उनसे संबद्ध जनसम्पर्क अधिकारी उनका मीडिया संबंधी काम करते हैं। प्रभाग सुबह 10.30 बजे से रात्रि में कार्य समाप्ति तक कार्य करता है। अवकाश के दिवसों में भी शाखा कार्य करती है।

विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने अप्रैल-मई-2016 में उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ महाकुंभ के आयोजन में निष्ठा और सक्षमता के साथ कार्य किया। इसके समाचार एवं फोटो तथा अन्य प्रकाशन सामग्री का उपयोग विदेशों के समाचार-पत्रों में भी किया गया। सिंहस्थ संबंधी 669 हिन्दी, 421 अंग्रेजी समाचार और 29 विशेष लेख शाखा द्वारा जारी किये गये।

सिंहस्थ के समाचारों सहित वर्ष 2016 में दिसम्बर माह तक हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू में कुल 13 हजार 455 समाचार जारी किये गये। साथ ही 88 विशेष लेख/संदर्भ हिन्दी में विभिन्न समाचार पत्र/पत्रिका को प्रकाशन के लिये जारी किये गये।

समाचार, विशेष लेख, संदर्भ और सफलता की कहानियाँ उर्दू और संस्कृत भाषा में अनुवाद कराकर वेबसाइट पर अपलोड की गयीं। उर्दू समाचार, लेख आदि उर्दूभाषी समाचार-पत्रों को वितरित किये गये।

इसी प्रकार संभागीय/जिला जनसंपर्क कार्यालयों द्वारा इस अवधि में लगभग 66 हजार समाचार स्थानीय समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिये भेजे गये।

मान. मुख्यमंत्री, मंत्रि-परिषद् के सदस्यों और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अपने विभागों से संबंधित जानकारी यथा-समय इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया को देने के लिये समय-समय पर पत्रकार वार्ता/ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। राज्य मंत्रि-परिषद् की प्रति सप्ताह होने वाली बैठक की विशेष ब्रीफिंग मंत्रालय में करवायी जाती है।

आलोच्य अवधि में मई में 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में बाबा साहेब अम्बेडकर जयंती समारोह, ग्रामोदय से भारत उदय अभियान, नर्मदा के उद्गम-स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक से 11 दिसम्बर को शुरू 144 दिवसीय नमामि देवी नर्मदे''-सेवा यात्रा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। यात्रा का प्रचार-प्रसार निरंतर जारी है। मई 2016 में इन्दौर जिले के निनौरा में सम्पन्न तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वैचारिक महाकुंभ और उसमें विश्व मानवता के नाम जारी किये गये 51 सूत्रीय सार्वभौम संदेश का व्यापक प्रचार-

प्रसार किया गया। सिंहस्थ, वैचारिक महाकुंभ, प्रधानमंत्रीजी के अम्बेडकर जयंती समारोह, नमामि देवि नर्मदे सेवा यात्रा के लिये विशेष रूप से शाखा के कर्मचारी/ अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी।

आलोच्य अवधि में भोपाल में प्रधानमंत्री के पूर्व सैनिक सम्मेलन, शौर्य स्मारक के उद्घाटन समारोह का आपात परिस्थितियों में व्यापक कव्हेरेज करवाया गया। शाखा द्वारा 26 जनवरी 2016 (गणतंत्र दिवस), राज्यपाल का बजट 2016 का अभिभाषण, 15 अगस्त 2016 (स्वतंत्रता दिवस) का संदेश, एक नवंबर 2016 का प्रदेश स्थापना दिवस संदेश तैयार किया गया। आलोच्य अवधि में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के ब्लॉगों का सभी स्तरीय अखबारों में प्रकाशन सुनिश्चित किया गया।

इसके अलावा माह फरवरी में सीहोर जिले के शेरपुर में किसान महा-सम्मेलन में फसल बीमा योजना के शुभारंभ, खण्डवा जिले के हनुवंतिया में पहले जल-महोत्सव और इस दौरान केबिनेट बैठक का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। अप्रैल माह में सतना जिले के ग्राम मुकुंदपुर में विश्व की पहली व्हाइट टाइगर सफारी के लोकार्पण, अगस्त माह में शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जन्म-स्थली पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करने तथा आजादी के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री के मुख्य आतिथ्य वाले 'याद करो कुर्बानी' कार्यक्रम, भोपाल में एक अक्टूबर को एम.एस.एम.ई. सम्मेलन, इंदौर में अक्टूबर 22-23 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन, 12 से 14 नवम्बर को भोपाल में लोक-मंथन कार्यक्रम आदि का विशेष रूप से प्रचार-प्रसार किया गया। इन सभी कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट एवं न्यूज एजेंसी के प्रतिनिधियों को कव्हेरेज के लिये बेहतर व्यवस्थाएँ उपलब्ध करवायी गयीं। कार्यक्रमों के समाचारों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया द्वारा प्रमुखता से स्थान दिया गया।

समाचार में वेल्थू एडीशन के चलते राज्य सरकार और नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित किये जाने का सिलसिला प्रारंभ हुआ है। इससे राष्ट्रीय स्तर तक की मीडिया में मध्यप्रदेश सरकार के क्रिया-कलापों को प्रमुखता मिलने लगी है। दिनांक 29 नवम्बर 2016 को मुख्यमंत्री के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष लेख प्रतिष्ठित लेखकों से लिखवाकर प्रकाशित करवाये गये। शाखा द्वारा इस अवसर पर रिकार्ड 28 आलेख तैयार कर बहुलता से प्रकाशित करवाये गये। अन्य विशेष अवसरों पर समाचार-पत्रों में विशेष लेखों/ सम्पादकीय का प्रकाशन-प्रसारण प्रख्यात पत्रकारों के जरिये करवाया गया।

समाचार में विविधता और नयापन लाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस क्रम में प्राचीन धार्मिक एवं पुरातात्विक महत्व के पर्यटन-स्थलों की जानकारी, साम्प्रदायिक सद्भाव, आसपास की घटनाओं, खेलों तथा योजनाओं पर आधारित समाचारों के अलावा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की सफलता पर आधारित कहानियाँ भी जारी की जा रही हैं।

समाचार शाखा के अंतर्गत मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ, राजभवन प्रेस प्रकोष्ठ, मंत्रालय प्रेस प्रकोष्ठ, जनसम्पर्क मंत्री प्रेस प्रकोष्ठ ने आलोच्य अवधि में उल्लेखनीय रूप से दायित्व निर्वहन कर अपनी विशिष्ट पहचान बनायी। शाखा द्वारा लोकसभा, विधानसभा उपचुनाव के मतगणना - मतदान केन्द्र प्रवेश-पत्र तैयार कर समय पर वितरित किये गये। राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य महिला आयोग, राज्य बाल संरक्षण आयोग के लिये अधिकारी संबद्ध कर उनकी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के स्वीप प्लान में उल्लेखनीय योगदान के लिये आयोग ने जनवरी 2016 में अपर संचालक (समाचार) श्री सुरेश गुप्ता को पुरस्कृत किया।

संचार प्रभाग

प्रतिवेदित अवधि में विभाग की संचार प्रणाली को विभागीय जरूरतों के अनुरूप सुदृढ़ किया गया। प्रचार-प्रसार कार्यों में सुविधा की दृष्टि से आवश्यकतानुसार 33 कम्प्यूटर सिस्टम और 14 कलर/ब्लेक एण्ड व्हाइट लेजर प्रिन्टर्स को अपग्रेड किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों पर राष्ट्रीय/प्रादेशिक और स्थानीय स्तर के प्रसारित समाचार बुलेटिनों को ध्यान में रखकर प्रदेश के विभिन्न घटनाक्रमों/गतिविधियों संबंधी न्यूज की सतत मानीटरिंग और रिकार्डिंग के लिये मुख्यालय में स्थापित मानीटरिंग सेल में 20 राष्ट्रीय/क्षेत्रीय चैनलों की न्यूज बुलेटिनों और प्रदेश पर केन्द्रित विशेष कार्यक्रमों की मानीटरिंग की गई। दिन-भर की खबरों का प्रतिवेदन माननीय मुख्यमंत्री जी और विभिन्न स्तरों पर भेजने की पहल की गई।

लोकसभा/विधानसभा उप निर्वाचनों के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पेड-न्यूज मामलों में इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों की सतत मानीटरिंग/रिकार्डिंग का कार्य निर्वाचन सदन में प्रकोष्ठ स्थापित कर विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा 24 घण्टे अनवरत किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री की ओर से नववर्ष, दीपावली, स्वतंत्रता दिवस के शुभकामना संदेश व्हाईस/टेक्स्ट एस.एम.एस. के जरिये प्रदेशवासियों को मोबाईल पर भेजे गये।

वेबसाइट

विभाग की वेबसाइट www.mpinfo.org पर हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत सहित चार भाषा में समाचार/लेख आदि उपलब्ध कराये गये हैं। इस साइट पर प्रतिदिन जारी किये जाने वाले समाचार, जन-कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित लेख, सफलता की कहानी, माननीय मुख्यमंत्री जी के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के विजुअल्स, मंत्रि-परिषद के निर्णय, मध्यप्रदेश रोजगार निर्माण, फ्लेगशिप योजनाएँ, ममता अभियान, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, कृषि महोत्सव, पुरस्कार, सम्मान व सराहना, विशेष अभियान, कला एवं संस्कृति, विकास गतिविधियाँ, पर्यटन और धार्मिक स्थलों की जानकारी, विभागीय वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, विज्ञापन, अधिमाम्यता, मीडिया प्रतिनिधि कल्याण सहायता संबंधी नियम, अचल सम्पत्ति के विवरण, नवीन सूचनाएँ, विज्ञापनों के आर.ओ. और समसामयिक संदर्भ के साथ ही मंत्रि-परिषद, प्रशासनिक अधिकारियों की सूची तथा विभिन्न विभागों के ई-मेल पते उपलब्ध हैं। इस साइट पर प्रतिवेदित अवधि में 16 करोड़ 96 लाख 25 हजार 194 हिट्स प्राप्त हुए।

जिलों के समाचारों के लिये डिस्ट्रिक्ट न्यूज पोर्टल www.dprmp.org कार्यरत है। इस पोर्टल को आलोच्य अवधि में 23 करोड़ 69 लाख 82 हजार 956 हिट्स प्राप्त हुए।

राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं की क्लीपिंग देखने के लिये विभागीय वेबसाइट www.mpnewsarch को 24 लाख 53 हजार 770 हिट्स मिले हैं। मोबाईल धारियों के लिये कार्यरत वेबसाइट www.m.mpinfo.org को 72 लाख 85 हजार 736 हिट्स मिले।

फोटो - फिल्म प्रभाग

प्रभाग द्वारा माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, समस्त मंत्रीगण एवं सभी शासकीय कार्यक्रमों/ आयोजनों के फोटो कव्हेरेज, विकासात्मक गतिविधियों के छायाचित्र तैयार करवाकर प्रतिदिन समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिये भेजे जाते हैं। यह फोटो विभाग की वेबसाइट पर भी निरंतर अपलोड किये जाते हैं।

प्रतिवेदित अवधि में शासकीय कार्यक्रमों के फोटो कव्हेरेजों के 62 हजार 73 फोटो समाचार-पत्र/ पत्रिकाओं को जारी किये गये। संभागीय एवं जिला कार्यालयों द्वारा भी छायाचित्र विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिए भेजे गये। इस अवधि में मुख्यालय द्वारा 2,106 फोटो कव्हेरेज करवाये गये।

विभाग द्वारा महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, समस्त मंत्रीगण एवं सभी शासकीय कार्यक्रमों/ आयोजनों के वीडियो कव्हेरेज करवाकर प्रतिदिन दूरदर्शन तथा अन्य स्थानीय टी.व्ही. चैनल को प्रसारण के लिये भेजे जाते हैं। इस दौरान 1623 वीडियो कव्हेरेज प्रसारण के लिए भेजे गये। महत्वपूर्ण वीडियो कव्हेरेज विभाग की वेबसाइट और यू-ट्यूब पर अपलोड किये गये।

मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं, जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं प्रदेश में सफलता की कहानियों के आधार पर एक-एक मिनट के 34 न्यूज कैप्सूल्स का निर्माण करवाया गया। इन कैप्सूल्स का दूरदर्शन तथा अन्य निजी न्यूज चैनलों पर प्रसारण करवाया गया।

फिल्म निर्माण प्रभाग

फिल्म निर्माण प्रभाग द्वारा आलोच्य अवधि में मध्यप्रदेश शासन की जनहितकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, निर्णयों, पुरातात्विक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व के विषयों पर केन्द्रित वीडियो स्पॉट निर्मित करवाये गये हैं।

प्रतिवेदित अवधि में सिंहस्थ-2016, ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, शौर्य स्मारक, नमामि देवि नर्मदे, मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना, डिजिटल इंडिया, मेक इन म.प्र., लोक सेवा गारंटी योजना, आदिवासी खेल छात्रावास, प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ते कदम, तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलने वाली सुविधाएँ, उद्यानिकी के क्षेत्र में अपार संभावना, म.प्र. में व्यापक ऊर्जा की अकूत संभावना, म.प्र. कृषि विकास से औद्योगिक विकास की ओर अग्रसर, राज्य की अर्थ-व्यवस्था में छोटे-मझौले उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका, जरा याद करो कुर्बानी, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट पंचायत, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कस्टम हायरिंग से सशक्त होते किसान, विदेश में बेटियों को पढ़ने के लिए उच्च शिक्षा ऋण, गौ-वंश संरक्षण योजना, जैविक खेती ने बदली तकदीर, दिव्यांगों को समाज में बराबरी का अधिकार, बिजली बिलों में एलईडी लाईट से बचत, मुख्यमंत्री युवा स्व-रोजगार योजना आदि 53 महत्वपूर्ण विषयों पर केन्द्रित वीडियो स्पॉट का निर्माण करवाया गया। वीडियो स्पॉट का दूरदर्शन के साथ प्रादेशिक और स्थानीय समाचार चैनलों पर प्रसारण लगातार करवाया जा रहा है।

संदर्भ प्रभाग

संचालनालय के संदर्भ प्रभाग में विभिन्न विषयों की पुस्तकें संकलित हैं। ये पुस्तकें समय-समय पर अधिकारियों के ज्ञानवर्धन, पठन-पाठन तथा संदर्भ के उपयोग में आती हैं। इसके अलावा भोपाल में जीटीबी

कॉम्प्लेक्स में एक सूचना केन्द्र संचालित है। यह सूचना केन्द्र प्रतिदिन दोपहर 2.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक आमजन के लिये खुला रहता है। पाठकों के पढ़ने के लिये समाचार-पत्रों के अलावा विभिन्न पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती हैं। गत वर्ष लगभग 9 हजार 675 पाठकों एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

विज्ञापन प्रभाग

जनसम्पर्क संचालनालय के विज्ञापन प्रभाग द्वारा राज्य सरकार के सभी विभाग/ कार्यालय की निर्माण/ निविदा/ भर्ती सूचनाओं का समाचार-पत्रों में विज्ञापन के रूप में प्रकाशन करवाने का कार्य किया जाता है।

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार के विभिन्न विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से करवाने के उत्तरदायित्व का निर्वहन भी प्रभाग के माध्यम से किया जाता है।

आलोच्य अवधि में सिंहस्थ-2016, मतदाता जागरुकता अभियान, लाड़ो अभियान, आँगनवाड़ी चलो अभियान, स्कूल चलें हम अभियान, निर्मल भारत तथा स्वच्छ भारत अभियान, जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना, इन्वेस्टर समिट 2016, सुशासन दिवस, दीनदयाल शताब्दी वर्ष, सूर्य नमस्कार, नमामि देवि नर्मदा सेवा यात्रा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, केश-लैस डिजिटल ट्रांजेक्शन जैसे कार्यक्रमों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया। प्रचार-प्रसार के लिए समाचार-पत्रों में प्रदर्शन विज्ञापन के साथ ही राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय टी.वी. न्यूज चैनल, आकाशवाणी, विविध भारती, निजी एफ.एम. रेडियो, वेबसाइट्स आदि प्रचार माध्यम का उपयोग किया गया। इसी तरह किसानों को आपदा में राहत संबंधी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे उन्हें संबल मिल सके। इसके लिए प्रभावी विज्ञापन डिजाइन कर प्रकाशित एवं प्रसारित करवाये गये।

विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और सुगमता की दृष्टि से वर्गीकृत तथा प्रदर्शन विज्ञापन सामग्री और विज्ञापन आदेश ऑनलाइन जारी किये जाते हैं। इस अवधि में विज्ञापन के देयक का शत-प्रतिशत भुगतान ई-पेमेंट से किया गया है।

कैलेंडर वर्ष 2016-17 में दिसम्बर तक कुल 15 हजार 334 विज्ञापन जारी किये गये। इनमें 13 हजार 836 वर्गीकृत और 1498 प्रदर्शन विज्ञापन शामिल हैं।

प्रकाशन प्रभाग

जनसम्पर्क विभाग द्वारा सरकार की जन-कल्याणकारी, नीतियों और कार्यक्रमों पर आधारित पुस्तिकाओं, फोल्डरों तथा किताबों का प्रकाशन किया जाता है। ये प्रकाशन सरकार की नीतियों-रीतियों का आईना होते हैं। प्रदेश की लोकहितकारी नीतियों, योजनाओं और प्रदेश के जन-जीवन तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाशनों का कार्य संचालनालय की प्रकाशन शाखा द्वारा किया जाता है। इन प्रकाशनों में किताबें, लघु पुस्तिकाएँ, फोल्डर, पेम्पलेट्स और पोस्टर तथा मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश' शामिल हैं।

मध्यप्रदेश संदेश

प्रदेश सरकार की आमुख पत्रिका मध्यप्रदेश संदेश हर माह प्रकाशित होने वाली नियमित पत्रिका है। संदेश का प्रत्येक अंक एक समयानुकूल आवरण कथा पर केन्द्रित किया जा रहा है। पत्रिका में मुख्यतः प्रदेश की जन-कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों के संचालन और उनके परिणामों पर केन्द्रित सामग्री प्रकाशित की जाती है। संदेश को नये कलेवर के साथ प्रकाशित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न विषयों पर विशेष लेखों का प्रकाशन किया जा रहा है। इसके अलावा इस पत्रिका में प्रदेश की विशिष्टताओं, विभिन्नताओं और विलक्षणताओं पर तथा प्रदेश के जन-जीवन और समाज, कला, साहित्य, संस्कृति, पर्व, तीज-त्यौहार, परम्पराओं, लोक-जीवन, वन और वन्य-जीवन, पर्यटन, खेल, सिनेमा तथा साहित्यिक गतिविधियों और प्रदेश से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों एवं विकास की विभिन्न अवधारणाओं पर वरिष्ठ और युवा लेखकों के लेख प्रकाशित किए जाते हैं।

वर्ष 2016 के सिंहस्थ पर अप्रैल और मई के 200-200 पृष्ठों के विशेषांक प्रकाशित किये गये, जिन्हें पूरे प्रदेश में व्यापक लोकप्रियता मिली। माह दिसम्बर में पत्रिका का नर्मदा नदी पर केन्द्रित विशेषांक प्रकाशित किया।

लोकहित कार्यों पर प्रकाशन

मध्यप्रदेश सरकार के जन-कल्याणकारी कार्यों की जानकारियाँ दूर-सुदूर गाँवों में रहने वाले लोगों तक पहुँचाने के लिए विभिन्न प्रकाशन किए गए हैं। इन प्रकाशन को जिला मुख्यालय पर स्थित जनसंपर्क कार्यालयों के माध्यम से जन-सामान्य तक पहुँचाया गया है। इसके अलावा ऐसे विशिष्ट आयोजनों में इन प्रकाशनों का वितरण किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित था।

प्रदेश सरकार ने जिनके जीवन में बदलाव लाने के लिए योजनाएँ शुरू की हैं, उन्हें ऐसी योजनाओं की जानकारी देने और लाभ लेने के सुलभ तरीकों की महत्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध करवाने वाली पुस्तिका- आगे आये-लाभ उठाये का अद्यतन संस्करण प्रकाशन किया है। इसके अलावा म.प्र. पुलिस-जन और जीवन की पूरी सुरक्षा, म.प्र. की विकास गाथा 2016, तरक्की के रास्ते पर बढ़ते कदम, मिली नयी रोशनी, निरंतर प्रयास - बेहतर नतीजे, स्वर्णिम कल-युवाओं के लाभ की योजनाएँ, विकसित खेती-खुशहाल किसान, महिला सशक्तिकरण, सबका साथ-सबका विकास, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के ग्यारह वर्ष-जन-कल्याण के, आदि फोल्डर तैयार कर वितरित किये गये हैं।

पत्र-परिनिरीक्षण प्रभाग

पत्र-परिनिरीक्षण प्रभाग द्वारा स्थानीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय तथा सांध्यकालीन समाचार-पत्रों में प्रकाशित प्रदेश सरकार से संबंधित समाचारों का परि-निरीक्षण किया जाता है। समाचार-पत्र कतरनों को महत्व के क्रम में व्यवस्थित कर बंच तैयार किये जाते हैं, जो माननीय राज्यपाल, उनके सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रि-परिषद के सदस्यों, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिवों/ सचिवों, विभागों के प्रमुख सचिवों/ सचिवों और विभागाध्यक्षों को प्रतिदिन भेजे जाते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रदेश सरकार से संबंधित समाचार, लेख, संपादकीय, दृष्टिकोण, आलोचनाओं आदि का परि-निरीक्षण भी किया जाता है।

जिलों तथा ग्रामीण अंचलों के महत्वपूर्ण समाचार प्रमुख स्थानीय दैनिकों के डाक संस्करणों में नियमित

प्रकाशित होते हैं। प्रभाग में इन संस्करणों के परि-निरीक्षण का कार्य भी प्रतिदिन किया जाकर कतरन बंच प्रेषित किये जा रहे हैं।

प्रतिवेदित अवधि में 77 लाख 66 हजार 315 समाचार-पत्र कतरनें विभिन्न स्तरों पर भेजी गयीं। अधीनस्थ जिला जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा भी इस अवधि में लगभग 7 लाख 78 हजार समाचार-पत्र कतरनें जिले के प्रभारी मंत्री, संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों एवं मुख्यालय को भेजी गई।

इसके अतिरिक्त उल्लेखनीय उपलब्धियों और सम-सामयिक विषयों पर प्रकाशित होने वाले समाचारों, आलेखों और संपादकीय की कतरनों के विषयवार (फोटो प्रति) संकलन भी तैयार किये जाते हैं। यह संकलन सुलभ संदर्भ के साथ ही आंकलन और विश्लेषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं।

पंजीयन प्रभाग

पंजीयन प्रभाग में प्रदेश के सभी जिलों से प्रकाशित हो रहे दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार-पत्रों के साथ ही मासिक, त्रैमासिक तथा अन्य नियतकालिक पत्र-पत्रिका को एक वर्ष तक जिलेवार संधारित किया जाता है।

कालखंड माह जनवरी 2016 से दिसम्बर 2016 तक प्रभाग को दैनिक समाचार-पत्र 90, साप्ताहिक समाचार-पत्र 171, पाक्षिक पत्र/ पत्रिका 54, मासिक पत्र/ पत्रिका 161 एवं त्रैमासिक पत्र/ पत्रिका 32 की संख्या में प्राप्त हुए हैं।

क्षेत्र प्रचार प्रभाग

क्षेत्र प्रचार प्रभाग द्वारा मध्यप्रदेश शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं के साथ विकासात्मक उपलब्धियों एवं कार्यक्रम को आमजन तक पहुँचाने के लिए आउटडोर ब्रांडिंग एवं आधुनिक जनसंचार के माध्यमों से निम्नानुसार प्रचार-प्रसार किया गया :

सिंहस्थ-2016 - सिंहस्थ पर्व का पूर्ण प्रचार अभियान संचालित किया गया। इसके अन्तर्गत सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं आउटडोर पब्लिसिटी ब्रांडिंग द्वारा प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2016 - जी.आई.एस. का सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं आउटडोर पब्लिसिटी ब्रांडिंग द्वारा प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

नमामि देवि नर्मदे-सेवा यात्रा - नर्मदा यात्रा अभियान का आउटडोर पब्लिसिटी ब्रांडिंग के माध्यम से वृहद प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

राज्य शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं और जनहित कार्यक्रमों पर आधारित विशेष प्रचार अभियान चलाये गये, जो निम्नानुसार हैं- किसान सम्मेलन (फसल बीमा योजना राशि का वितरण), प्रधानमंत्री आवास ऋण वितरण योजना, गरीब कल्याण हितग्राही प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्थापना दिवस, स्कूल चलें हम, सड़क

सुरक्षा सप्ताह, विचार महाकुंभ, शहीद दिवस (शौर्य स्मारक प्रधानमंत्री यात्रा), भारत पर्व, अन्त्योदय मेला, ग्वालियर व्यापार मेला, खजुराहो उत्सव, लोकरंग, दतिया महोत्सव आदि कार्यक्रमों का आउटडोर पब्लिसिटी ब्रांडिंग द्वारा विशेष प्रचार अभियान संचालित किया गया।

अधिमान्यता प्रभाग

अधिमान्यता नियम के अनुसार पत्रकारों को राज्य/जिला एवं तहसील-स्तरीय अधिमान्यता प्रदान की जाती है। इसके लिये राज्य तथा संभागीय अधिमान्यता समितियाँ गठित हैं। प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार इन समितियों के सदस्य होते हैं। राज्य स्तरीय अधिमान्यता समिति पत्रकारों की राज्य स्तरीय अधिमान्यता और संभागीय अधिमान्यता समिति पत्रकारों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिमान्यता संबंधी प्रकरणों में अनुशंसा करती है। इस वर्ष 2017 से अधिमान्यता/अधिमान्यता कार्ड का नवीनीकरण के लिये ऑन-लाईन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। इन कार्ड की अवधि अब दो वर्ष की होगी।

प्रदेश में दिसम्बर 2016 की स्थिति में कुल 1158 राज्य, 1678 जिला एवं 663 तहसील स्तरीय अधिमान्यता का नवीनीकरण किया गया। अधिमान्यता नवीनीकरण की प्रक्रिया निरन्तर जारी है।

पत्रकारों को आर्थिक सहायता

पत्रकारों को स्वयं एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों को उपचार के लिए आवश्यकता और पात्रता के आधार पर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। इसके लिए मध्यप्रदेश संचार प्रतिनिधि कल्याण समिति गठित है। समिति द्वारा सहायता आवेदनों पर की गई अनुशंसा के अनुसार सहायता राशि स्वीकृत की जाती है। आलोच्य अवधि में कुल 371 पत्रकारों को रुपये 72 लाख 24 हजार 302 की राशि स्वीकृत की गई।

अनुदान

वर्ष 2016-17 में माधवराव सप्रे समाचार-पत्र संग्रहालय, भोपाल को रुपये 10 लाख का अनुदान दिया गया।

फैलोशिप

स्व. राजेन्द्र माथुर स्मृति पत्रकारिता फैलोशिप के अर्न्तगत प्रतिवर्ष एक पत्रकार को रुपये एक लाख की राशि देने का प्रावधान है।

पत्रकारिता सम्मान

मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये उत्साहजनक वातावरण बनाने और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे अग्रणी पत्रकारों को सम्मानित करने के लिये राज्य शासन द्वारा पत्रकारिता सम्मान प्रारम्भ किये गये हैं। पत्रकारों को विशिष्ट योगदान के लिये सम्मान से सम्मानित करने के उद्देश्य से नीचे दर्शाये अनुसार सम्मान स्थापित किये गये हैं :-

राष्ट्रीय सम्मान (सम्मान राशि रुपये 2.51 लाख)

- | | |
|---|------|
| 1. माणिकचन्द्र बाजपेयी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान | (एक) |
| 2. गणेश शंकर विद्यार्थी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान | (एक) |
| 3. विद्यानिवास मिश्र राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान | (एक) |

राज्य-स्तरीय सम्मान (सम्मान राशि रुपये 1.51 लाख)

1. महेन्द्र चौधरी राज्य-स्तरीय (फोटो) पत्रकारिता सम्मान (एक)
2. सत्यनारायण श्रीवास्तव, राज्य-स्तरीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

आंचलिक पत्रकारिता सम्मान (सम्मान राशि रुपये 1.01 लाख) (सात)

1. स्व. शरद जोशी सम्मान भोपाल अंचल के पत्रकारों के लिये
2. स्व. राहुल बारपुते सम्मान इंदौर अंचल के पत्रकारों के लिये
3. स्व. बनारसीदास चतुर्वेदी सम्मान रीवा अंचल के पत्रकारों के लिये
4. स्व. रतनलाल जोशी सम्मान ग्वालियर अंचल के पत्रकारों के लिये
5. स्व. जीवनलाल वर्मा विद्रोही सम्मान जबलपुर अंचल के पत्रकारों के लिये
6. स्व. कन्हैयालाल वैद्य सम्मान उज्जैन अंचल के पत्रकारों के लिये
7. स्व. मास्टर बलदेव प्रसाद सम्मान सागर अंचल के पत्रकारों के लिये

श्रद्धा-निधि

मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग 125 पत्रकारों को रुपये 5 हजार प्रतिमाह श्रद्धा-निधि प्रदान की जा रही थी। जनवरी 2017 से प्रतिमाह 6 हजार रुपये की श्रद्धा-निधि दी जायेगी।

लैपटॉप

शासन ने राज्य-स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लेपटाप देने की अभिनव योजना प्रारम्भ की है। दिसम्बर 2016 की स्थिति में 810 राज्य-स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लेपटॉप क्रय करने के लिये राशि का भुगतान किया गया।

नई योजनाएँ

मध्यप्रदेश राज्य-स्तरीय टेलीविजन पत्रकारिता सम्मान

राज्य शासन ने इलेक्ट्रॉनिक चैनल के पत्रकार एवं कैमरामेन के सम्मान के लिये नई योजना वर्ष 2015 में स्वीकृत की है।

1. राष्ट्रीय न्यूज चैनल (पत्रकार) सम्मान राशि रुपये 1.51 लाख (एक)
2. राष्ट्रीय न्यूज चैनल (कैमरामेन) सम्मान राशि रुपये 1.01 लाख (एक)
3. राज्य स्तर न्यूज चैनल (पत्रकार) सम्मान राशि रुपये 1.51 लाख (एक)
4. राज्य स्तर न्यूज चैनल (कैमरामेन) सम्मान राशि रुपये 1.01 लाख (एक)

संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना

शासन द्वारा मध्यप्रदेश के संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना लागू की गई है। योजना में स्वास्थ्य बीमा रुपये 2 लाख और दुर्घटना बीमा रुपये 5 लाख का है। योजना में 31 दिसम्बर 2016 तक 1507 संचार प्रतिनिधि का बीमा करवाया जा चुका है।

मध्यप्रदेश माध्यम

मध्यप्रदेश माध्यम की स्थापना जन-संचार के क्षेत्र में तेजी से होते बदलावों और नये समय में संचार की चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से जनसंपर्क विभाग के सृजनात्मक उपक्रम के रूप में हुई है।

पिछले दो दशक से अधिक समय से मध्यप्रदेश माध्यम, राज्य सरकार और उसकी संस्थाओं के लिये संचार की सभी विधाओं में कार्य कर रहा है एवं आधुनिक समय के अनुरूप प्रचार कार्यों को नई शक्ल देने में कामयाब रहा है। यह संस्था युवाओं के लिये साप्ताहिक "रोजगार और निर्माण" के प्रकाशन के साथ शासकीय विभागों के लिये विभिन्न प्रकाशन और फिल्मों का निर्माण भी करती है।

'रोजगार और निर्माण' मध्यप्रदेश माध्यम से प्रकाशित होने वाला नियमित साप्ताहिक समाचार-पत्र है। आगामी फरवरी 2017 को यह पत्र अपने प्रकाशन के 34 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इसकी लगभग 80 हजार प्रतियाँ प्रति सप्ताह प्रकाशित होती हैं। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों तक यह पत्र पहुँचता है। पत्र के प्रकाशन की नियमितता और गुणवत्ता से इसकी एक विशिष्ट पहचान बनी है।

'रोजगार और निर्माण' मध्यप्रदेश शासन की गतिविधियों की जानकारी देने वाला एक प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता है। यह पत्र प्रदेश में शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों को पंचायत स्तर तक आम नागरिकों को पहुँचाने का एक अच्छा माध्यम है। इस पत्र में प्रभावी प्रस्तुतीकरण के साथ काफी विस्तार से शासन के विभिन्न विभागों के कार्यक्रमों के सचित्र समाचार प्रकाशित किये जाते हैं। इनके अलावा शासन की योजनाओं के संबंध में उनकी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और सम्पर्क किये जाने वाले अधिकारियों इत्यादि की जानकारीयों विस्तार से प्रकाशित की जाती हैं। मध्यप्रदेश शासन के सभी विभाग आवश्यक सूचनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिये इस पत्र का नियमित रूप से लाभ लेते हैं।

इस पत्र में प्रदेश के बेहतर शिक्षा और रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं का मार्गदर्शन करने वाली विषय सामग्री भी विस्तार से प्रकाशित की जाती है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित अध्ययन एवं अभ्यास सामग्री भी परीक्षाओं के आयोजन से पूर्व प्रकाशित की जाती है। युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, प्रेरणादायी और सम-सामयिक विषयों पर भी विषय-विशेषज्ञों द्वारा लिखित उपयोगी लेख प्रकाशित किये जाते हैं। इस दृष्टि से पत्र में कई लोकप्रिय नियमित स्तम्भ भी प्रकाशित होते हैं।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश पंचायिका' का प्रकाशन भी पिछले दो दशक से मध्यप्रदेश माध्यम कर रहा है।

ग्राफिक्स शाखा - वर्ष 2017 के शासकीय कैलेंडर में मध्यप्रदेश में स्थित नर्मदा नदी के मनोरम घाटों के फोटोग्राफ्स शामिल कर विशेष स्वरूप में आकल्पन किया गया है। जनसंपर्क विभाग के जन-कल्याणकारी प्रचार अभियानों के आकल्पन एवं संस्था की विभिन्न शाखाओं के आकल्पन का कार्य भी ग्राफिक्स शाखा द्वारा संपादित किया गया है।

विज्ञापन शाखा – विगत 30 वर्षों से विभिन्न निगम, मण्डल, बोर्ड एवं विश्वविद्यालयों आदि के विज्ञापन का प्रकाशन समाचार-पत्रों में कराये जाने का कार्य निरन्तर कर रहा है। विगत वर्ष 2015-16 में सिंहस्थ-2016 के प्रचार-प्रसार हेतु अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रादेशिक समाचार-पत्र/पत्रिकाओं में विज्ञापन का प्रकाशन तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2016 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक समाचार-पत्र/पत्रिकाओं में विज्ञापन प्रकाशन के कार्य संपादित किये गये। विज्ञापन शाखा द्वारा विभिन्न विभागों के लिये विशेष मीडिया कैम्पेन्स का सम्पादन भी सफलतापूर्वक किया गया है।

परियोजना शाखा – उल्लेखनीय कार्य इस प्रकार है- 26 जनवरी 2016 गणतंत्र दिवस-नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर, भोपाल में प्रदेश स्तर (प्रथम पुरस्कार प्राप्त) एवं रीवा संभाग के जिलों में जिला स्तर (5 जिलों में प्रथम पुरस्कार प्राप्त) की झाँकियों का प्रदर्शन, फरवरी 2016 में भोपाल में तेन्दूपत्ता संग्राहकों के महासम्मेलन, फरवरी 2016 में शेरपुर, सीहोर में किसान सम्मेलन, अप्रैल 2016 में महु में ग्रामोदय से भारत उदय कार्यक्रम, सिंहस्थ 2016 उज्जैन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मल्टीमीडिया, मई 2016 में निनौरा, उज्जैन में अन्तर्राष्ट्रीय वैचारिक महाकुंभ, अप्रैल-मई 2016 में कृषि मास मीडिया अभियान के प्रचार-प्रसार का कार्य, अगस्त 2016 में चन्द्रशेखर आजाद की जन्म-स्थली भाबरा में आयोजित कार्यक्रम, भोपाल में मेधावी छात्रों के सम्मान समारोह, अक्टूबर 2016 में इन्दौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का मल्टी मीडिया प्रचार-प्रसार का कार्य, अक्टूबर 2016 में भोपाल में सैनिक सम्मान सम्मेलन, नवंबर 2016 में भोपाल में राष्ट्रीय विमर्श लोकमंथन कार्यक्रम और दिसंबर 2016 में भोपाल में गरीब कल्याण कार्यक्रम के इवेंट मेनेजमेंट का कार्य एवं 11 दिसंबर 2016 से प्रारंभ नर्मदा सेवा यात्रा के प्रचार-प्रसार का कार्य किया गया।

मुद्रण शाखा – विगत वर्ष में सिंहस्थ-2016 की प्रकाशन सामग्री का मुद्रण, किसान- कल्याण और कृषि विकास, स्वास्थ्य और जनसंपर्क विभाग के विभिन्न कार्य, विभिन्न विभागों के प्रतिवेदन, मैप आई.टी., ट्रायफेक के विभिन्न कार्य, जन अभियान परिषद की पत्रिका, मध्यप्रदेश संदेश आदि के महत्वपूर्ण मुद्रण कार्य किये गये।

फिल्म शाखा – फिल्म शाखा द्वारा प्रमुख रूप से सिंहस्थ 2016 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु लघु वृत्तचित्रों, टी.वी. स्पाट्स, रेडियो जिंगल्स का निर्माण कर राष्ट्रीय चैनल/ प्रादेशिक चैनल एफ.एम. रेडियो एवं सिनेमाघरों में प्रसारण करवाया गया, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2016 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु लघु वृत्तचित्रों, टी.वी. स्पाट्स, रेडियो जिंगल्स का निर्माण कर राष्ट्रीय चैनल/ प्रादेशिक चैनल, एफ.एम. रेडियो एवं सिनेमाघरों में प्रसारण करवाया गया। दिनांक 04.12.16 को जंबूरी मैदान में जन-कल्याणकारी योजनाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विगत 11 वर्षों में शासन द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं पर 23 फिल्मों का निर्माण कर प्रदर्शन करवाया गया। स्वास्थ्य विभाग के लिए विभागीय योजनाओं तथा कार्यक्रमों पर साप्ताहिक वीडियो कार्यक्रम “सेहतनामा” के 40 एपिसोड्स एवं ऑडियो कार्यक्रम “सेहत की आशा” के 39 एपिसोड्स का निर्माण एवं प्रसारण, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के लिए तीन फिल्मों का निर्माण, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण संचालनालय के लिए वीडियो स्पाट्स का दूरदर्शन केन्द्र से प्रसारण, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के लिए वृत्तचित्र का निर्माण, जनसंपर्क संचालनालय के लिए मध्यप्रदेश पर आधारित लघु फिल्म का निर्माण और सोवियत संघ, चीन सहित अन्य राष्ट्रों में प्रदर्शन, शौर्य स्मारक वृत्तचित्र एवं टी.वी. स्पाट का निर्माण तथा टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण, प्रशासन अकादमी के गान की रचना, संगीत संयोजन, गायन एवं रिकार्डिंग का कार्य, पेनारोमा वर्चुअल टूरस का निर्माण, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास के लिए जैविक खेती फिल्म का निर्माण, शासन के विभिन्न विभागों के

लिए वृत्तचित्रों एवं टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण तथा रेडियो जिंगल्स का एफ.एम. चैनल्स पर प्रसारण, संचालनालय महिला सशक्तिकरण, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण संस्थान, राज्य स्वास्थ्य समिति, कार्यालय जिला पंचायत, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, एस.ई.आर.आर.सी. जनहित में किये गए कार्यों पर आधारित वृत्तचित्रों का निर्माण किया गया।

विगत 5 वर्षों में माध्यम का व्यवसाय निरन्तर बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2015-2016 के लिए निर्धारित वित्तीय लक्ष्य रुपये 84 करोड़ के विरुद्ध रुपये 130.22 करोड़ एवं वित्तीय वर्ष 2016-2017 में अक्टूबर माह तक रुपये 84 करोड़ के विरुद्ध 172.75 करोड़ का लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

वर्ष 2015-2016 तक के अंतिम लेखा तैयार कर चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट्स द्वारा अंकेक्षण किया जा चुका है। संस्था के वर्ष 2014-2015 तक के लेखों का अंकेक्षण महालेखाकार कार्यालय, ग्वालियर द्वारा किया जा चुका है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय इस वर्ष अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। अपनी स्थापना के 25 वर्षों में विश्वविद्यालय से निकले हजारों विद्यार्थी मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों में सामाजिक उत्तिरदायित्वों के साथ अपना व्यावसायिक योगदान दे रहे हैं। रजत जयंती वर्ष पर अनेक आयोजनों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अपने स्वर्णिम अतीत को याद करने की कोशिश की।

25 वर्षों में हिन्दी पत्रकारिता पर विशेष फोकस के साथ विश्वविद्यालय पत्रकारिता, जनसंचार, नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और अनुसंधान के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में स्थापित हो चुका है। तेजी से विस्तृत हो रहे मीडिया के समग्र क्षेत्र को योग्य और प्रशिक्षित पत्रकार और मीडिया व्यवसायी उपलब्ध कराना, हिन्दी और अन्य भाषायी पत्रकारिता के बीच अंतर-संवाद, मीडिया के सामाजिक सरोकारों पर विमर्श एवं मीडिया एवं संचार के विविध आयामों पर उत्कृष्ट शोध गतिविधियों का संचालन विश्वविद्यालय कर रहा है।

मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी का प्रतिष्ठित केंद्र

मुख्यालय भोपाल के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के पाँच अन्य परिसर क्रमशः नोएडा, खण्डवा, ग्वालियर, रीवा, अमरकंटक में संचालित हैं। रीवा में नया परिसर इसी वर्ष विंध्य क्षेत्र के लिए प्रारंभ किया गया है। देशभर में विश्वविद्यालय की 59 मीडिया व 853 कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों की सहयोगी अध्ययन संस्थाएँ हैं। इनमें मीडिया और कम्प्यूटर के विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

वर्तमान में संचार संबंधित पेशेवर पाठ्यक्रमों की मांग के अनुरूप यौगिक स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आध्यात्मिक संचार, वीडियो प्रोडक्शन, वेब संचार, फिल्म पत्रकारिता, डिजिटल फोटोग्राफी, भारतीय संचार परंपराएँ, पर्यावरण संचार, इवेंट मैनेजमेंट एवं कम्प्युनिकेशन स्किल में अंशकालिक पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 में इन पाठ्यक्रमों में 110 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

नियोजन

इस सत्र में पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों का प्लेसमेन्ट देश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों में हुआ। इन संस्थानों में दैनिक भास्कर (रायपुर, इंदौर, भोपाल), अमर उजाला दिल्ली, नवभारत भोपाल, दबंग दुनिया भोपाल, राज एक्सप्रेस, भोपाल, Aajtak.com, TV 18 समूह का कैम्पस प्लेसमेंट, Network-18 हिन्दी, IBN7, आईबीसी 24 (रायपुर), डिजिटल प्रापर्टीज (वेब) न्यूज, आब्जर्वर न्यूज आदि हैं। इसके अतिरिक्त मेडिसिन कम्प्युनिकेशन प्रा.लि., एक्सोल्यूट इण्डिया (भोपाल), डी.बी. पोस्ट (भोपाल), आई.सी.सी.पी.एल., नई दिल्ली, हेडस ऑन एडवरटाइजिंग, मुम्बई, व्यतिवम ग्रुप गुवाहाटी, स्कूप-वूप नई दिल्ली, वेडिंग मंत्रास, दिल्ली तथा पी.आर. साल्यूशंस में भी कई विद्यार्थियों को अवसर मिला है।

प्रकाशन

(1) पुस्तकें

इस वर्ष विश्वविद्यालय की पाठ्य-पुस्तक परियोजना में निम्नलिखित पाठ्य-पुस्तकों का प्रकाशन किया गया -

- | | |
|---|----------------------|
| 1. संचार अवधारणा व प्रक्रिया: महर्षि पतंजलि | म. साधना जनसारी |
| 2. Article 370 | Sant Kumar Sharma |
| 3. Advertising and Marketing Communication | M.R. Patra |
| 4. Photo Journalism | Pradeep Kumar Tiwari |
| 5. रजत पथ (पूर्व विद्यार्थियों के विचार, प्रसंग, संस्मरण संकलन) | |
| 6. रजत प्रसंग (पूर्व विद्यार्थियों के विचार, प्रसंग, संस्मरण संकलन) | |

(2) पत्र - पत्रिकाएँ

1. त्रैमासिक शोध पत्रिका (जर्नल) **मीडिया मीमांसा** का प्रकाशन।
2. जनसंचार एवं मीडिया सरोकारों के वैचारिक त्रैमासिक **मीडिया नवचिंतन** का प्रकाशन।

(2) नए प्रकाशन

1. सार्क देशों का मीडिया और भारत की वृहद परियोजना को विश्वविद्यालय की महापरिषद् ने अनुमोदित किया है। इसकी शुरुआत 'पाकिस्तान मीडिया स्कैन' के मासिक प्रकाशन से की गई है।
2. संस्कृत पत्रिका 'अतुल्य भारतम्' का प्रकाशन किया जा रहा है।

(3) प्रकाशनाधीन पुस्तकें

1. ज्योतिर्विज्ञान में नए विचार और अनुप्रयोग।
2. न भूलेंगे न बिसरेंगे।

सांख्यिकीय

परीक्षा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष सेमेस्टर परीक्षा आयोजन के लिये देश के 10 राज्य एवं देश के बाहर काठमाण्डू, नेपाल में एक परीक्षा केन्द्र को मिलाकर वर्तमान में कुल 165 परीक्षा केन्द्र स्थापित कर परीक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। जुलाई 2016 सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 86 हजार 590 विद्यार्थी नामांकित हुए। दिसम्बर 2016 से जनवरी 2017 परीक्षा में नामांकन एवं परीक्षा शुल्क मिलाकर विश्वविद्यालय को कुल 25,65,73,850 रुपये की प्राप्ति हुई। विगत एक वर्ष में परीक्षा एवं नामांकन शुल्क प्राप्ति में 7 करोड़ रुपए से अधिक की रिकार्ड वृद्धि हुई है।

विविध

- मध्यप्रदेश के विध्य क्षेत्र के लिए अपना छठवाँ परिसर रीवा में जुलाई 2016 से प्रारंभ किया गया।
- रजत जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल एवं दिल्ली में दो पूर्व छात्र (Alumni) सम्मेलनों का आयोजन किया गया।
- रजत जयंती वर्ष में सम-सामयिक मीडिया नवचिंतन पर विशेष संवाद कार्यक्रम दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, पटना, खंडवा एवं भोपाल में किए गए।
- उज्जैन में 'सिंहस्थ : 2016' के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ के आयोजन में सहभागिता की गई।
- लोक मंथन कार्यक्रम में म.प्र. शासन के साथ सहभागिता की गई।
- रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विशेष परीक्षा का आयोजन कर 880 ऐसे परीक्षार्थियों को गोल्डन चांस योजना का लाभ प्रदान किया, जो कतिपय कारणों से अपना पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं कर पाये थे।
- पूर्व विद्यार्थियों की अंकसूची-सत्यापन के लगभग 1500 प्रकरण निराकृत किए गए। रोजगार अथवा उच्च शिक्षा के लिए विदेशों में प्रवास करने वाले लगभग 100 पूर्व विद्यार्थियों के लिए ट्रांसक्रिप्ट जारी की गयी।
- विश्वविद्यालय के स्वतंत्र परिसर एवं भवन का निर्माण भोपाल के बिशनखेड़ी में प्रगति पर है।

डिजिटल इंडिया

विश्वविद्यालय में संपूर्ण प्रवेश, नामांकन, परीक्षा फार्म प्रक्रिया एम.पी. ऑनलाइन के सहयोग से पूरी तरह ऑनलाइन की जा चुकी है। विश्वविद्यालय में पदों की पूर्ति के लिए भी ऑनलाइन प्रक्रिया अपनायी जाने लगी है। वर्ष 2017 में डिप्लोमा इन कम्प्यूटर पाठ्यक्रम की परीक्षा को ऑनलाईन करने का कार्य प्रगति पर है।

कैश-लेस इकानॉमी

विश्वविद्यालय कैश-लेस इकानॉमी की अवधारणा में अग्रिम पहल के साथ विगत चार वर्षों से प्रवेश शुल्क, परीक्षा शुल्क, माइग्रेशन, डिग्री-डिप्लोमा, डुप्लीकेट अंकसूची आदि समस्त शुल्क आनलाइन प्रणाली से प्राप्त कर रहा है।

भाग-2

बजट (एक दृष्टि में)

बजट प्रावधान एवं व्यय योजनावार

मांग संख्या - 32 सूचना और प्रचार (आयोजनेतर)

(31.01.2017 की स्थिति में)

(राशि लाख रुपये में)

क्र.	शीर्ष	वर्ष 2015-2016		वर्ष 2016-2017	
		आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय
1.	2304-निर्देशन और प्रशासन	12166.41	10846.35	15247.92	12660.29
2.	7248-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रचार	2200.00	2199.97	5650.00	5046.52
3.	5489-पत्रकारिता पुरस्कार एवं प्रशिक्षण	100.00	64.73	98.00	60.00
4.	8688- म.प्र. सूचना केन्द्र, नई दिल्ली	185.26	118.46	149.40	79.64
5.	2822- चलचित्र इकाई की स्थापना	700.00	581.50	745.00	296.94
6.	0994- क्षेत्र प्रचार	450.00	374.45	1887.00	406.76
7.	4065-विशेष अवसरों पर प्रचार	3070.00	2958.29	8160.00	3579.45
8.	0223-प्रकाशन	480.00	303.54	574.00	457.91
9.	1294-वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों को श्रद्धानिधि	100.00	73.32	120.00	60.71
10.	7300-स्व.श्री सुशीलचन्द वर्मा पुरस्कार योजना	0.01	-	0.01	-
11.	7437-पत्रकारों को लैपटाप प्रदाय	100.00	61.20	100.00	20.00
	योग (आयोजनेतर)	19551.68	17581.81	32731.33	22668.22

आयोजना

(राशि लाख रुपये में)

क्र.	शीर्ष	वर्ष 2015-16		वर्ष 2016-2017	
		आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय
01	मांग संख्या 32 5620 - समन्वित प्रचार-प्रसार	900.00	820.16	828.20	457.03
02	8808 - सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य	0.01	-	0.01	-
03	मांग संख्या 41 आदिवासी उपयोगना	148.82	147.90	148.77	49.46
	मांग संख्या 64 अनुसूचित जाति उपयोगना	181.28	180.44	181.23	97.25
	योग (योजना)	1230.11	1148.50	1158.21	603.74

भाग-3

राज्य और केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ

(अ) राज्य योजना

1. **फिल्मों का निर्माण :** इस मद में जन-सामान्य को राज्य शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए टेलीविजन कव्हेरेज किये गये। साथ ही लघु फिल्में/ न्यूज कैप्सूल बनाये गये।
2. **क्षेत्र प्रचार :** प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य प्रचार माध्यमों द्वारा शासन की उपलब्धियों की जानकारी दी गई।

3. (ब) केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ

कोई नहीं।

(स) विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली योजनाएँ

कोई नहीं।

(द) विदेशी सहायता प्राप्त योजनाएँ/ परियोजनाएँ

कोई नहीं।

(ई) अन्य योजनाएँ

कोई नहीं।

जनहित में संचालित विभाग की योजनाएँ

जनसंपर्क विभाग निम्नलिखित योजनाओं का संचालन जनहित में करता है :-

1. पत्रकारों एवं उनके आश्रित सदस्यों को उपचार के लिए सहायता योजना।
2. वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों के लिए श्रद्धानिधि योजना।
3. पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना।
4. राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लैपटॉप वितरण योजना।

भाग - 4

सामान्य प्रशासनिक विषय

आलोच्य अवधि में लोक सेवा आयोग के माध्यम से राजपत्रित वर्ग में 09 सहायक संचालक एवं पी.ई.बी. के माध्यम से चतुर्थ वर्ग के 16 विभिन्न पदों पर नियुक्तियाँ दी गईं। दिवंगत 04 शासकीय सेवक के आश्रितों को रिक्त पदों पर पात्रतानुसार अनुकंपा नियुक्तियाँ दी गईं। इसी तरह 03 राजपत्रित एवं 04 अराजपत्रित अधिकारी/ कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ भी दिया गया।

विभाग में प्रथम, तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी के 23 अधिकारी/ कर्मचारियों के स्थानांतरण प्रशासकीय/ निजी व्यय एवं रिक्त पदों की पूर्ति के तहत किये गये। जनसंपर्क विभाग के अधिकारी/ कर्मचारियों के अचल सम्पत्ति विवरण वेबसाइट पर प्रदर्शित है।

कार्यभारित एवं आकस्मिक निधि से वेतन पाने वाले 04 वाहन चालक को वरिष्ठताक्रमानुसार नियमित वाहन चालक के रिक्त पदों पर समायोजित किया गया। राजपत्रित/ अराजपत्रित अधिकारियों/ कर्मचारियों की पदक्रम सूची- 2016 प्रकाशित की गई।

सिंहस्थ-2016 महाकुंभ के व्यापक प्रचार-प्रसार और अन्य व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिये 109 अधिकारी/ कर्मचारियों को उज्जैन में तैनात किया गया। मैहर विधान सभा/ बैतूल विधान सभा उप चुनाव/ शहडोल संसदीय एवं नेपानगर विधान सभा उप चुनाव 2016 के दौरान पेड- न्यूज संबंधी मामले, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सभी समाचार-पत्र/ पत्रिकाओं का परिनिरीक्षण और इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों की मानीटरिंग के लिये विभागीय अधिकारी/ कर्मचारियों को 24 घण्टे सतत तैनात किया गया।

इंदौर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2016 एवं विधान सभा परिसर में आयोजित राष्ट्र सर्वोपरि विचारकों और कर्मशीलों के तीन दिवसीय 'लोक मंथन' के विभिन्न सत्रों के कव्हेरेज एवं समाचार के लिये अधिकारी/ कर्मचारियों को तैनात किया गया। 'नमामि देवि नर्मदे-सेवा यात्रा' के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए नर्मदा तटीय क्षेत्र में अधिकारी/ कर्मचारियों को तैनात किया गया। यात्रा मार्ग के 16 जिलों के कार्यालय प्रमुख को नोडल अधिकारी भी नामांकित किया गया।

सहायक जनसंपर्क अधिकारी संवर्ग में सीधी भर्ती के 17 पद को पदोन्नति से भरे जाने की स्वीकृति मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदान की गई है। विभाग द्वारा गैर राज्य प्रशासनिक सेवा में आई.ए.एस. सेवा में चयन के लिये पैनल भेजा गया।

कर्मचारी-कल्याण

कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति एवं समयमान दिये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। सभी पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति/ उच्चतर वेतनमान का लाभ दिया गया। शासन स्तर की संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक दिनांक 18.03.2016 तथा 05.12.2016 को की गई। कर्मचारी संघ की समस्याओं/कठिनाइयों का यथोचित निराकरण किया गया।

प्रशिक्षण

अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने दायित्वों का कुशलता से निर्वहन करने और उन्हें अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से विभाग के अधिकारी/ कर्मचारियों को क्रमशः National Workshop On Public Relations In Government reg, संसदीय विषय पर आधारित पृथक-पृथक प्रशिक्षण दिलाये गये।

महिला कर्मियों की समस्याओं का निराकरण

महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने के संबंध में मुख्यालय पर राजपत्रित महिला अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित है। समिति की अनुशंसाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। विभाग में महिलाओं की पदस्थापना सर्वाधिक मुख्यालय में है। यहाँ महिलाओं के लिए अलग से लंच रूम और प्रसाधन की व्यवस्था है। इसी प्रकार अधीनस्थ कार्यालयों में भी महिला कर्मचारियों के लिए आवश्यकतानुसार समुचित व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। राज्य महिला आयोग के प्रचार-प्रसार कार्यों को संपादित करने के लिए एक राजपत्रित अधिकारी को नामांकित किया गया है।

महिलाओं के चित्रण के बारे में मीडिया की आचरण संहिता

विभाग द्वारा इस संबंध में भारतीय प्रेस परिषद को पत्र लिखा गया है। परिषद ने सूचित किया है कि परिषद मीडिया में महिलाओं के नकारात्मक चित्रण पर चिंतित है और इसे रोकने के लिए गंभीरता से प्रयासरत है।

भाग-5

विभागीय प्रकाशन

जनसंपर्क विभाग द्वारा 'मध्यप्रदेश संदेश' नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है। इसके अलावा विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश माध्यम द्वारा साप्ताहिक 'रोजगार और निर्माण' का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है।

भाग-6

उपसंहार

जनसंपर्क विभाग का प्रमुख कार्य शासन की जनोपयोगी नीतियों, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनता की भलाई के लिए किये गये कार्यों को जनसंचार के विभिन्न साधनों-दूरदर्शन, इलेक्ट्रॉनिक चैनलों, आकाशवाणी, समाचार-पत्र/ पत्रिकाओं, प्रकाशनों, क्षेत्र प्रचार के पारम्परिक और आधुनिक माध्यमों के जरिये जन-सामान्य तक पहुँचाना है। प्रचार-प्रसार के कार्यों में सोशल/ डिजिटल मीडिया के उपयोग को भी बढ़ावा दिया गया है।



आभार...

आप सभी के सहयोग से सिंहस्थ अपने आध्यात्मिक वैभव के साथ सम्पन्न हो गया। देश-विदेश से पूरे माह श्रद्धालु उज्जैन आए और मोक्षदायिनी क्षिप्र में पुण्य-स्नान किया। एक छोटे नगर में करोड़ों श्रद्धालुओं और साधु-संतों का धर्मलाभ ले सकना बताता है कि उज्जैन के कंकर-कंकर में शंकर का निवास है। सभी ने बाबा महाकाल से आशीर्वाद प्राप्त किया।

उज्जैनवासियों ने 'अतिथि देवो भव' की परम्परा को निभाते हुए सिंहस्थ में आए श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी। शासकीय कर्मचारियों और अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। यह सिंहस्थ क्लीन, ग्रीन होने के साथ ही आधुनिकतम सुविधाओं से सम्पन्न रहा। साधु-संतों और सभी अखाड़ों ने सिंहस्थ में धार्मिक-सांस्कृतिक वातावरण को शिखर पर पहुंचाया। देश के हर कोने से आये श्रद्धालुओं ने लघु भारत ही जीवंत किया। सिंहस्थ के दौरान मीडिया और स्वेच्छिक संगठनों का बहुत ही सकारात्मक सहयोग हमें मिलता रहा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ में उपस्थित होकर पूरी दुनिया को 51 सूत्रीय सार्वभौम संदेश जारी कर सिंहस्थ की विचार परम्परा को पुनर्जीवित किया। विश्व शांति की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

**मैं आप सभी के प्रति अपना
हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।**

**शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश**





“त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवि नर्मदे”

नर्मदा सेवा यात्रा

प्रारम्भ - 11 दिसम्बर, 2016 | समापन - 11 मई, 2017
अमरकंटक में नर्मदा के दक्षिण तट से... | अमरकंटक में नर्मदा के उत्तर तट पर।

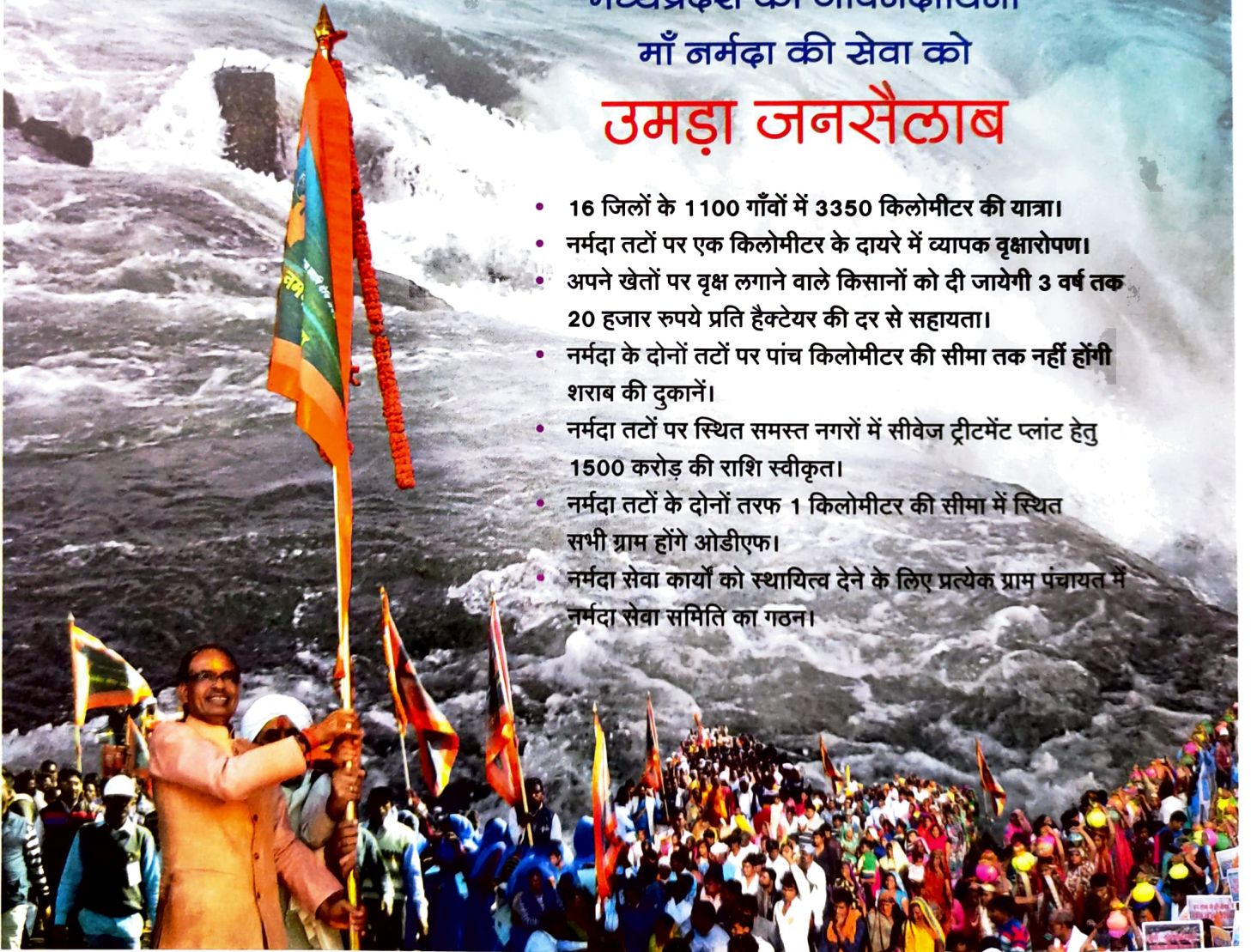
समाज और सरकार का सामूहिक संकल्प



शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी
माँ नर्मदा की सेवा को
उमड़ा जनसैलाब

- 16 जिलों के 1100 गाँवों में 3350 किलोमीटर की यात्रा।
- नर्मदा तटों पर एक किलोमीटर के दायरे में व्यापक वृक्षारोपण।
- अपने खेतों पर वृक्ष लगाने वाले किसानों को दी जायेगी 3 वर्ष तक 20 हजार रुपये प्रति हैक्टेयर की दर से सहायता।
- नर्मदा के दोनों तटों पर पांच किलोमीटर की सीमा तक नहीं होंगी शराब की दुकानें।
- नर्मदा तटों पर स्थित समस्त नगरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु 1500 करोड़ की राशि स्वीकृत।
- नर्मदा तटों के दोनों तरफ 1 किलोमीटर की सीमा में स्थित सभी ग्राम होंगे ओडीएफ।
- नर्मदा सेवा कार्यों को स्थायित्व देने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में नर्मदा सेवा समिति का गठन।



विश्व का सबसे बड़ा नदी संरक्षण अभियान

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 0755-4911102, 4911103, वेबसाइट : namamidevinarmade.mp.gov.in
Follow Chief Minister Madhya Pradesh /CMMadhyaPradesh /CMMadhyaPradesh /ChouhanShivrajSingh

म.प्र. माध्यम/84035/2017